Unit - 04

Methods of assessing individual differences: Tests, observation, Rating Scales, Self-reports.

Tests

किसी के ज्ञान और क्षमता को मापने के लिए प्रश्नों या व्यावहारिक गतिविधियों का उपयोग करना।

• बहुविकल्पीय प्रश्नों ने छात्रों के ज्ञान का परीक्षण किया।

एक परीक्षा एक मूल्यांकन है जो एक परीक्षार्थी के ज्ञान, कौशल, योग्यता, शारीरिक फिटनेस या कई अन्य विषयों जैसे विश्वास में वर्गीकरण को मापने के लिए किया जाता है।

एक परीक्षण को मौखिक रूप से, कागज पर, कंप्यूटर पर या एक पूर्व निर्धारित क्षेत्र में प्रशासित किया जा सकता है, जिसके लिए एक परीक्षार्थी को कौशल प्रदर्शन तथा प्रदर्शन करने की आवश्यकता होती है। टेस्ट शैली, कठोरता और आवश्यकताओं में भिन्न होते हैं।

उदाहरण के लिए एक बंद पुस्तक परीक्षण को आमतौर पर विशिष्ट वस्तुओं पर प्रतिक्रिया देने के लिए स्मृति पर निर्भर रहना पड़ता है, जबकि एक खुली किताब परीक्षण में, एक परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका या कैलकुलेटर जैसे

एक से एक अनुपूरक अधिक अनुपूरक साधनों का उपयोग कर सकता है, जब वह जवाब देता है। एक परीक्षण औपचारिक या अनौपचारिक परीक्षण एक माता-पिता द्वारा एक बच्चे को प्रशासित किया गया रीडिंग टेस्ट है। एक औपचारिक परीक्षा एक कक्षा में एक शिक्षक द्वारा संचालित एक अंतिम परीक्षा तथा एक एक क्लिनिक में एक मनोवैज्ञानिक को प्रमाणित एक IQ परीक्षण हो सकता है। औपचारिक परीक्षण एक कक्षा में एक ग्रेड शिक्षक द्वारा होता है, एक परीक्षण स्कोर की व्याख्या एक मानदंड या कसौटी पर की जा सकती है आदर्श स्वतंत्र रूप से, या बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा स्थापित किया जा सकता है, एक परीक्षा, किसी व्यक्ति के ज्ञान या कुछ विषय में हेर-फेर करने के लिए सक्षम होने की इच्छा का परीक्षण करने के लिए होती है।

एक मानकीकृत परीक्षण किसी भी परीक्षा है। जिसे कानूनी रूप से होता सुनिश्चित करने के लिए सुसंगत तरीके से प्रशासित और रन किया जाता है। मानकीकृत परीक्षणों का उपयोग अक्सर शिक्षा, पेशेवर प्रमाणन, मनोविज्ञान, (जैसे MPIE) सैन्य और कई क्षेत्रों में किया जाता है।

परीक्षण के प्रारूप और कठिनाई का प्रारूप और स्तर साथ अत्याधिक परिवर्तनशील होते हैं। और परीक्षण प्रारूप और कठिनाई के लिए कोई आम सहमति या अपरिवर्तनीय नहीं होता है, व्यक्तिगत परीक्षकों द्वारा विकसित और प्रशासित परीक्षण होते हैं।

OBSERAVASION

~~Guidance~~

C-01 - Childhood & Growing up

OBSERVASION

अनुसंधान डेटा एकत्र करने के लिए अवलोकन एक तरीका है। इसमें एक प्रतिभागी को देखना और बाद के विश्लेषण के लिए प्रासंगिक व्यवहार को रिकॉर्ड करना शामिल है। अवलोकन पद्धति का उपयोग करते हुए एक अध्ययन का एक उदाहरण होगा जब एक शोधकर्ता अध्ययन करना चाहता है, कि बच्चे खिलौनों के बंटवारे का प्रबंधन कैसे करते हैं, वह कक्षा में खेलने वाले बच्चों के समूह का निरीक्षण कर सकता है, और रिकॉर्ड कर सकता है कि वे क्या कहते है या क्या करते है, यह निर्धारित करते है कि कौन एक प्रतिष्ठित खिलौनों के साथ खेलता है।

अवलोकन विशेष अर्थ - देखना, प्रेक्षण, निरीक्षण, अर्थात कार्य - कारण एवं पारस्परिक सम्बन्धों को जानने के लिये स्वभाविक रूप से घटित होने वाली घटनाओं का सूक्ष्म निरीक्षण है।

अवलोकन की निम्न विशेषताएँ हैं।

1) मानवीय इन्द्रियों का पूर्ण प्रयोग।
2) उद्देश्यपूर्ण एवं सूक्ष्म अध्ययन
3) प्रत्यक्ष अध्ययन
4) कार्य-कारण सम्बन्धों का पता लगाना।
5) निष्पक्षता
6) सामूहिक व्यवहार का अध्ययन

Scanned with CamScanner

अवलोकन की महत्वपूर्ण विशेषताएँ -
1) प्रत्यक्ष पद्धति
2) प्राथमिक सामग्री
3) वैज्ञानिक पद्धति
4) मानव इन्द्रियों का पूर्ण उपयोग
5) विचारपूर्वक एवं सूक्ष्म अध्ययन
6) विश्वसनीयता
7) सामूहिक व्यवहार का अध्ययन
8) पारस्परिक एवं कार्यकारण सम्बन्धों का ज्ञान

अवलोकन पद्धति की उपयोगिता को निम्न बिन्दुओं के अन्तर्गत स्पष्ट कर सकते हैं
1) सरलता - यह विधि अपेक्षाकृत सरल है अवलोकन करने के लिये अवलोकनकर्ता को विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं होती है।
2) स्वभाविक पद्धति - मानव आदिकाल से ही स्वाभावतः अवलोकन करता आया है।
3) वैषयिकता - चूंकि इस विधि में अवलोकनकर्ता घटनाओं को अपनी आँखों से देखकर उनका शुद्ध विवरण प्रस्तुत करता है।
4) विश्वसनीयता - सहयोग विश्लेषण होने के कारण विश्वसनीयता बनी रहती है।
5) सर्वाधिक प्रचलित पद्धति - अपनी सरलता सार्थकता एवं वस्तुनिष्ठता के कारण अवलोकन सर्वाधिक लोकप्रिय पद्धति है।

Scanned with CamScanner

Childhood & Growing Up

RATING

रेटिंग स्केल को एक बंद समाप्त सर्वेक्षण प्रश्न के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसका उपयोग विशिष्ट विशेष सुविधाओं / उत्पादों / सेवाओं के लिए तुलनात्मक रूप में प्रतिक्रियात्मक प्रतिक्रिया का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया जाता है। यह ऑनलाइन और ऑफलाइन सर्वेक्षणों के लिए सबसे अधिक स्थापित प्रश्न प्रकारों में से एक है।

शोधकर्ता शोध में रेटिंग पैमाने का उपयोग करते हैं जब वे किसी उत्पाद या सुविधा के विभिन्न पहलुओं के साथ गुणात्मक माप को जोड़ने का इरादा रखते हैं। आमतौर पर, इस पैमाने का उपयोग किसी उत्पाद या सेवा, कर्मचारी कौशल, ग्राहक सेवा प्रदर्शन, किसी विशेष लक्ष्य के प्रक्रियाओं आदि के मूल्यांकन का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।

रेटिंग स्केल सर्वेक्षण प्रश्न की तुलना चेकबॉक्स प्रश्न से की जा सकती है, लेकिन रेटिंग स्केल केवल से अधिक जानकारी प्रदान करता है।

रेटिंग के पैमाने के चार प्राथमिक प्रकार हैं।

1) ग्राफिक रेटिंग स्केल
2) संख्यात्मक रेटिंग स्केल
3) वर्णनात्मक रेटिंग स्केल
4) तुलनात्मक रेटिंग स्केल

Scanned with CamScanner

* **रेटिंग स्केल का उपयोग :**

i) किसी विशेष विषय के बारे में आवश्यक जानकारी प्राप्त करें।

ii) डेटा की तुलना और विश्लेषण करें।

iii) एक महत्वपूर्ण उत्पाद / सेवा तत्व को मापें।

रेटिंग स्केल के लाभ

* रेटिंग स्केल प्रश्नों को समझना और लागू करना आसान है।
* शोधकर्ताओं द्वारा अधिक निर्णय लेने के लिए लक्ष्य नमूने के भीतर मात्रात्मक डेटा का तुलनात्मक विश्लेषण प्रदान करता है।
* ग्राफिक रेटिंग पैमानों का उपयोग करना, शोधकर्ताओं के लिए सर्वेक्षण बनाना आसान है, क्योंकि वे कॉन्फ़िगर करने के लिए कम से कम समय का उपयोग करते हैं।
* रेटिंग पैमाने का उपयोग एक प्रचुर जानकारी एकत्र और विश्लेषण की जा सकती है।
* रेटिंग स्केल प्रश्नों के लिए प्राप्त उत्तर का विश्लेषण त्वरित और कम समय लेने वाला है।
* रेटिंग पैमाने को अक्सर शोध के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक जानकारी एकत्र करने के लिए एक मानक माना जाता है। //

Childhood & Growing up

Self-REPORTS

स्वयं को विकसित करने के महत्व को नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा 2014 में प्रकाशित नेशनल प्रोग्राम डिजाइन एंड करिकुलम फ्रेमवर्क में छह प्रमुख क्षेत्रों में से एक के रूप में प्रदर्शित किया गया। इसे भारत में विद्यालयों का रूपांतरण और विद्यालय प्रमुखों का व्यवसायिक विकास संभव करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है, इसके लिए प्रत्येक विद्यालय प्रमुख में आत्म-विकास और संस्थागत विकास के लक्ष्यों के बीच सामंजस्य की जरूरत है।

* अपने कार्य की प्राथमिकता तय करना, अन्य लोगों को प्रतिनिधायन करना और अपने का प्रभावी उपयोग करना।
* अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास की योजना बनाना।
* स्वयं के लिए SMART लक्ष्य निर्धारित करना।

विद्यालय प्रमुख बनने का काम काफी जिम्मेदारी भरा होता है। विद्यालय प्रमुख के काम का एक बड़ा हिस्सा अन्य लोगों को आपकी ओर से काम करने में समर्थ बनाना होता है। इसमें शामिल है/

* दिशा प्रदान करना।
* अच्छी शिक्षण पद्धतियों निश्चित करना।
* कार्य निष्पादन का प्रबंधन करना।
* अन्य लोगों के काम करने का समर्थन करना।

Scanned with CamScanner

* प्रभावी ढंग से प्रतिनिधित्व / कर्तव्यों की व्याख्या करना।
* सुनिश्चित करना कि आपका स्टाफ प्रेरित बना रहे, उनको दिया गया काम पूरा करें और व्यावसायिक / नैतिक स्तर बनाए रखें।

इस इकाई में अपने भूमिका के विद्यालय प्रमुख के रूप में अपने समय का उत्पादक और प्रभावी उपयोग कैसे करना चाहिए जो आपको अपनी खुद के समय का प्रबंधन करने की दृष्टि से कार्यवाही करने या अन्य लोगों को प्रत्यायोजित करने के लिए प्रेरित करता है। हर व्यक्ति के लिए निजी और व्यावसायिक विकास का महत्व होता है और उसकी योजना सावधानी से बनाई जानी चाहिए और उस समय उसपर कार्यवाही की जानी चाहिए। विद्यालय प्रमुख के रूप में आपको अपने अभ्यास को अद्यतित करने और सुधारने के लिए प्रयास करना चाहिए, इसके बदले में आपका स्टाफ अपने स्वयं के विकास के बारे में सोचना चाहिए। Self-reports अपनी अनुमति पर भी आकलन कर सकते। अपने विचार पर भी। आज के परिवेश गृह से कि हम Self-reports विद्यालय विचार कर सकते हैं बच्चों का